# प्रत्यय *(Suffix)*

जो शब्दांश किसी शब्द के अंत में लगकर नया शब्द बनाए, उसे प्रत्यय कहते हैं। इसके दो भेद हैं — कृत् और तद्धित।

मध्यम · विस्तृत विवेचन · अंतिम बदलाव 15 सितंबर 2026

**परिभाषा**

जो शब्दांश किसी शब्द या धातु के अंत में लगकर उसके अर्थ में परिवर्तन कर नया शब्द बनाए, उसे प्रत्यय कहते हैं।

उपसर्ग शब्द के **आगे** लगता है, प्रत्यय **पीछे**। *लिख* धातु के अंत में *आवट* लगाइए तो *लिखावट* बनता है, *आई* लगाइए तो *लिखाई*। *मानव* के अंत में *ता* लगाइए तो *मानवता*।

**उदाहरण**

- लिख + आवट = लिखावट
- मानव + ता = मानवता
- पढ़ + आकू = पढ़ाकू
- सुंदर + ता = सुंदरता

**ध्यान दें**

प्रत्यय जोड़ने पर प्रायः मूल शब्द का रूप भी बदल जाता है — *लेना* से *लेनदार* नहीं, *लेनदार*; *बोना* से *बोआई*। तोड़ते समय मूल धातु पहचानिए, पूरा क्रिया-रूप नहीं।

## प्रत्यय के भेद

प्रत्यय किससे जुड़ रहा है — इस आधार पर दो भेद हैं।

| भेद | किससे जुड़ता है | बना शब्द कहलाता है |
|---|---|---|
| कृत् प्रत्यय | धातु (क्रिया) से | कृदंत |
| तद्धित प्रत्यय | संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण से | तद्धितांत |

# 1. कृत् प्रत्यय

जो प्रत्यय **धातु** के अंत में लगकर नया शब्द बनाए, वह कृत् प्रत्यय है। इससे बने शब्द **कृदंत** कहलाते हैं।

उदाहरण

लिख + आवट = लिखावट | पढ़ + आई = पढ़ाई | चढ़ + आव = चढ़ाव | गा + अक = गायक

कृत् प्रत्यय के प्रमुख उपभेद:

## कर्तृवाचक कृदंत

क्रिया करने वाले का बोध कराए।

| धातु + प्रत्यय | शब्द |
|---|---|
| गा + अक | गायक |
| लिख + अक | लेखक |
| पढ़ + आकू | पढ़ाकू |
| चाल + आक | चालाक |
| रख + वाला | रखवाला |

## कर्मवाचक कृदंत

जिस पर क्रिया का प्रभाव पड़े।

उदाहरण

ओढ़ + ना = ओढ़ना | बिछ + औना = बिछौना | खा + ना = खाना

## करणवाचक कृदंत

क्रिया के साधन का बोध कराए।

उदाहरण

झाड़ + ऊ = झाड़ू | बेल + ना = बेलना | रेत + ई = रेती

## भाववाचक कृदंत

क्रिया के भाव या व्यापार का बोध कराए। ये सबसे अधिक बनते हैं।

| धातु + प्रत्यय | शब्द |
|---|---|
| लिख + आवट | लिखावट |
| पढ़ + आई | पढ़ाई |
| घबरा + आहट | घबराहट |
| चढ़ + आव | चढ़ाव |
| दौड़ + अ | दौड़ |

### विशेषणवाचक कृदंत

उदाहरण

भाग + ता = भागता | थक + आ = थका | लूट + एरा = लुटेरा

## 2. तद्धित प्रत्यय

जो प्रत्यय **संज्ञा, सर्वनाम या विशेषण** के अंत में लगे, वह तद्धित प्रत्यय है। इससे बने शब्द **तद्धितांत** कहलाते हैं।

### भाववाचक तद्धित

| मूल शब्द + प्रत्यय | शब्द |
|---|---|
| मानव + ता | मानवता |
| सुंदर + ता | सुंदरता |
| बच्चा + पन | बचपन |
| मित्र + ता | मित्रता |
| गरीब + ई | गरीबी |
| चतुर + आई | चतुराई |

### संबंधवाचक तद्धित

उदाहरण

नाना + आल = ननिहाल | लोहा + आर = लोहार | भारत + ईय = भारतीय

### ऊनवाचक (लघुता बताने वाले) तद्धित

उदाहरण

डिब्बा + इया = डिबिया | खाट + इया = खटिया | टोकरा + ई = टोकरी

### अपत्यवाचक (संतान बताने वाले) तद्धित

उदाहरण

वसुदेव + अ = वासुदेव | मनु + अ = मानव | रघु + अ = राघव

ध्यान दें

कृत् और तद्धित में भेद करने की एक ही कसौटी है — मूल शब्द को देखिए। यदि वह **धातु** (क्रिया) है तो कृत्, और यदि **संज्ञा या विशेषण** है तो तद्धित।

*लिखावट* में मूल *लिख* धातु है, अतः कृत्। *मानवता* में मूल *मानव* संज्ञा है, अतः तद्धित।

## स्त्री प्रत्यय

लिंग बदलने वाले प्रत्यय भी तद्धित के ही अंतर्गत आते हैं।

उदाहरण

ई — लड़का से लड़की | इन — धोबी से धोबिन | आनी — सेठ से सेठानी | नी — मोर से मोरनी

## उपसर्ग और प्रत्यय एक साथ

कई शब्दों में दोनों लगते हैं।

| शब्द | विच्छेद |
|---|---|
| अपमानित | अप + मान + इत |
| निर्भयता | निर् + भय + ता |
| सुशीलता | सु + शील + ता |
| अनुशासित | अनु + शासन + इत |

## अभ्यास

उत्तर देखने से पहले स्वयं सोचें।

कृत् और तद्धित प्रत्यय में क्या अंतर है?

**उत्तर** कृत् प्रत्यय धातु (क्रिया) के अंत में लगता है और उससे बने शब्द कृदंत कहलाते हैं — जैसे लिख + आवट = लिखावट। तद्धित प्रत्यय संज्ञा, सर्वनाम या विशेषण के अंत में लगता है और उससे बने शब्द तद्धितांत कहलाते हैं — जैसे मानव + ता = मानवता।

“घबराहट” और “बचपन” — दोनों का प्रत्यय बताइए और भेद कीजिए।

**उत्तर** घबराहट = घबरा + आहट, कृत् प्रत्यय (मूल “घबरा” धातु है)। बचपन = बच्चा + पन, तद्धित प्रत्यय (मूल “बच्चा” संज्ञा है)।

“निर्भयता” का उपसर्ग और प्रत्यय सहित विच्छेद कीजिए।

**उत्तर** निर् + भय + ता। “निर्” उपसर्ग है और “ता” तद्धित प्रत्यय।

कर्तृवाचक कृदंत के तीन उदाहरण दीजिए।

**उत्तर** गायक (गा + अक), लेखक (लिख + अक), पढ़ाकू (पढ़ + आकू)। ये सब क्रिया करने वाले का बोध कराते हैं।

ऊनवाचक तद्धित प्रत्यय क्या बताते हैं? एक उदाहरण दीजिए।

**उत्तर** ये लघुता या छोटापन बताते हैं — जैसे डिब्बा से डिबिया, खाट से खटिया।